Maharaja Surajmal Brij University

Bharatpur (Raj.)

SYLLABUS

B.A. MUSIC

PAPER I, II & III

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Only For Session
2020-21

Session 2021-22

B.A. Part I
Syllabus-Music

	Duration	Marks
Paper-I	3 hours	40
Paper-II	3 hours	40
		120

Paper-I

Section-A

(i) परिभाषाएँ : नाद, श्रुति, स्वर, सप्तकथाट, राग, मुखडा, स्थायी, अन्तरा, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, ताल, लय, माना सम, खाली, आवर्तन, ठेका, आलाप, तान, बोल–आलाप, बोल–तान, सरगम, तिहाई, मसीतखानी व रजाखानी गत।

(ii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन, स्वर संगतियाँ एवं आलाप द्वारा विस्तार।

Section-B

(i) हिन्दुस्तानी संगीत के महत्वपूर्ण एवम् आधारभूत नियम।

(ii) निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लेखन।

एकताल, चौताल कहरवा व दादरा।

Section-C

(i) प्रायोगिक पाठ्यकम में निर्धारित रागों में बंदिशों की स्वरलिपि का लेखन।

Paper-II

Section-A

(i) परिभाषाएँ– ग्राम, मूर्च्छना, राग लक्षण, नाथदा, गायक, कलावंत व गंधर्व, आदत, जिगर, हिसाब, गमक के प्रकार व तान।

(ii) पं. विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि की विस्तृत जानकारी।

Section-B

(i) संगीतकारों की जीवनियाँ–स्वामी हरिदास, अमीर खुसरो, तानसेन, अहोबल व व्यंकटमखी।

(ii) अठारहवीं शताब्दी में संगीत में हुई प्रगति का सामान्य अध्ययन।

Section-C

(i) निम्नलिखित वाद्यों का वर्णन :

तानपुरा, तबला

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी

(ii) निम्नलिखित नृत्यों का वर्णन :

कत्थक, भरतनाट्यम

प्रायोगिक

(i) इस वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों के थाटों में से किन्ही 10 अलंकारों का अभ्यास।

(ii) रागों की स्वर संगतियाँ पहचानकर उस राग को गाना।

(iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार

भूपाली यमन, बागेश्री, केदार, हमीर, व भीमपलासी।

(iv) उपरोक्त बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं तीन रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटा ख्याल (आलाप–तान सहित)

(v) बिन्दु क. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं दो रागों में एक छोटा ख्याल, गायकी सहित या तराना।

(vi) बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं एक राग में एक ध्रुपद (दुगुन, तिगुन, चौगुन) व एक धमार (दुगुन, चौगुन सहित)

(vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन, तिलवाडा, एकताल, चौताल, कहरवा व दादरा।

(viii) पाठ्यक्रम की रागों में से सुगम शास्त्रीय रचनाएँ अथवा भजन।

Only For Session
2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

B.A. Part II
Syllabus-Music

	Duration	Marks
Paper-I	3 hours	40
Paper-II	3 hours	40
		120

Paper-I

Section-A

(i) भरत और पं. भातखण्डे के अनुसार श्रुति व स्वर स्थान।

(ii) पं. अहोबल व पं. भातखण्डे के अनुसार वीणा के तार पर शुद्ध स्वरों की स्थापना।

Section-B

(i) लयकारी–दुगुन, तिगुन, चौगुन व छहगुन।

(ii) निम्नलिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन व चौगुन में लेखन।
धमार, तिलवाड़ा, एकताल, चौताल, रूपक, पंजाबी, सूलताल।

(iii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन, स्वर संगतियाँ एवं आलाप द्वारा विस्तार।

Section-C

(i) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में बंदिशों की स्वरलिपि का लेखन।

(ii) दी गई स्वर संगतियों से राग पहचानकर न्यास स्वर दर्शाते हुए आलाप–तान लेखन ।

Paper-II

Section-A

(i) ग्राम एवं मूर्च्छना का अध्ययन।

(ii) मेजर व माइनर स्वर सप्तक।

(iii) उन्नीसवीं व बीसवीं शताब्दी के भारतीय संगीत का इतिहास।

Section-B

(i) राग–रागिनी पद्धति के अनुसार रागों का वर्गीकरण।

(ii) निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी–
उ0 अलाउद्दीन खाँ, उ0 अमीर खाँ, केसरबाई केरकर, पं. ओंकारनाथ ठकुर।

Section-C

(i) मेल व अन्य राग सिद्धान्त पं. भातखण्डे के दस थाट एवं भारतीय स्वरों के अनुसार बत्तीस थाट।

(ii) निम्नलिखित वाद्यों का परिचय विवरण व उपयोग–

पखावज, वीणा, दिलरूबा व बाँसुरी।

(iii) सांगीतिक विषय पर निबंध ।

प्रायोगिक

(i) रागों की स्वर संगतियाँ पहचानकर उस राग को गाना।

(ii) स्वर विस्तार द्वारा रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

(iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार–

रामकली, बहार, तिलककामोद, जयजयवन्ती, मालकौंस, भैरव व खमाज।

(iv) उपरोक्त बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं तीन रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटा ख्याल (आलाप–तान सहित)

(v) बिन्दु क. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं दो रागों में एक छोटा ख्याल, गायकी सहित अथवा तराना।

(vi) बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं एक राग में एक ध्रुपद एवं एक धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित)

(vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन–धमार, तिलवाड़ा, एकताल, चौताल, रूपक, झूमरा व तीव्रा।

(viii) एक तराना, भजन अथवा चतुरंग।

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक-प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)-

B.A. Part III
Syllabus-Music

	Duration	Marks
Paper-I	3 hours	40
Paper-II	3 hours	40
		120

Paper-I

Section-A

(i) राग व रस

(ii) गायन व वादन के घरानों का तुलनात्मक अध्ययन।

Section-B

(i) निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी–उ. अब्दुल करीम खाँ, उ. बिस्मिल्ला खाँ, पं. रविशंकर, उ. बड़े गुलाम अली खाँ।

(ii) राजस्थान के लोक वाद्य।

(iii) भारतीय संगीत के विविध रूपों का वर्णन

Section-C

(i) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में स्वर–ताल लिपि लेखन।

(ii) निम्नलिखित तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन व चौगुन में लिखना–
तिलवाड़ा, धमार, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, रूद्रताल, दादरा, पंजाबी, सूलताल, झूमरा, तीव्रा, दीपचंदी।

Paper-II

Section-A

(i) संगीत की उत्पत्ति विषयक विभिन्न मत।

(ii) संगीत के क्षेत्र में मतंग, भरत, शारंगदेव, पलुस्कर, भातखण्डे के कार्य

Section-B

(i) वैदिक संगीत के विभिन्न रूपों का सामान्य ज्ञान।

(ii) गीति व वाणी का सामान्य ज्ञान।

Section-C

(i) हारमोनी एवं मेलोडी का अध्ययन।

(ii) संगीत विषयक निबन्ध।

2021-22

अकादमिक प्रभारी

प्रायोगिक

(i) रागों के गाये हुए टुकड़े को पहचानना व उस राग को गाना।

(ii) स्वर विस्तार द्वारा रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

(iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार–

दरबारी, कान्हड़ा, पूरियाधनाश्री, तोड़ी, पूरिया, जौनपुरी, काफी, सोहनी, बिहाग, कामोद व छायानट।

(iv) उपरोक्त बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं तीन रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटा ख्याल (आलाप–तान सहित)

(v) बिन्दु क. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं तीन रागों में एक छोटा ख्याल, गायकी सहित अथवा तराना।

(vi) बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किसी एक राग में एक ध्रुपद एवं एक धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित)

(vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन–तिलवाड़ा, धमार, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, दादरा, पंजाबी, सूलताल, झूमरा, तीव्रा, दीपचंदी

(viii) किसी एक राग में भजन अथवा उपशास्त्रीय रचना।

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)